Dr. Rukhsana Parveen
HOD, Dept. of Psychology R.R.S. College, Mokama

BA II (Hons) Paper-IV

Topic- Contribution of Wundt in Psychology.

Wilhelm Wundt को आधुनिक मनोविज्ञान का पिता माना जाता है क्योंकि Wundt ने ही मनोविज्ञान का सबसे पहले वैज्ञानिक अध्ययन आरंभ किया। इन्होंने ही सर्वप्रथम लिपजिक में सर्वप्रथम 1879 में प्रयोगशाला का निर्माण किया और यहीं से मनोवैज्ञानिक अध्ययन प्रारंभ हुआ। Wundt एक जर्मन मनोवैज्ञानिक थे। इसका जन्म 1832 में हुआ था इनकी प्रारंभिक शिक्षा एक पादरी की देख रेख में हुई थी इन्होंने बहुत सारी पुस्तकें भी लिखी। यह एक शरीरशास्त्री थे परन्तु धीरे-धीरे उनकी रुचि मनोविज्ञान में होने लगी इन्होंने मनोविज्ञान को एक नया आयाम दिया। इन्होंने मनोविज्ञान के विषय वस्तु, क्षेत्र और परिभाषा को ही बदल दिया। इनके अनुसार मनोविज्ञान को चेतन अनुभूति का अध्ययन करना चाहिए तथा अध्ययन की विधि अन्तर्निरीक्षण विधि को बताया।

Wundt ने संवेदना तथा भाव को मन का आवश्यक तत्व माना इसका इन्होंने विश्लेषण भी किया है। इस प्रकार Wundt ने सबसे पहले तंत्रिका तंत्र और ज्ञानेन्द्रियों के आधार पर संवेदना की व्याख्या की। भाव के स्वरूप की व्याख्या के क्रम में Wundt ने Tridimention के प्रत्यय प्रत्यय की विवेचना की। इनके पहले आयाम में सुख दुख दूसरे आयाम में उत्तेजना - शान्ति तथा तीसरे आयाम में खिचाँव - विश्राम को रखा। इन्होंने बताया कि प्रत्येक भाव को इसमें रखा जा सकता है। प्रयोग द्वारा

Scanned with CamScanner

Wundt ने यह बताया कि सुख की भावना के समय शान्ति और विश्राम की भी अनुभूति होती है तथा जो भाव दुःखद होता है उनमें उत्तेजना तथा खिंचाव भी पाया जाता है। Wundt ने संवेग का भी गहन अध्ययन किया संवेग या भाव के समय जो शारीरिक परिवर्तन होते हैं इसकी व्याख्या इन्होंने सर्वप्रथम की। इनके अनुसार संवेग का सम्बन्ध तंत्रिका तंत्र से अधिक होता है। जब व्यक्ति में संवेग की उत्पत्ति होती है तो शरीर में विभिन्न प्रकार की क्रियाएँ होती हैं जिसका आधार मस्तिष्क से होता है। Wundt ने साहचर्य की व्याख्या भी इसी संदर्भ में किया। यह मन और शरीर में घनिष्ठ सम्बन्ध मानते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान में Wundt की सबसे बड़ी देन यह मानी जाती है कि उसने मनोविज्ञान को वैज्ञानिक पद्धति दिया। प्रयोगशाला के अन्दर वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करके नवीन तथ्यों की खोज करने का श्रेय Wundt को ही है इसलिए इसे आधुनिक मनोविज्ञान का पिता मानना अनुचित नहीं होगा। Wundt ने आधुनिक मनोविज्ञान के विषय-वस्तु को तात्कालिक अनुभव बताया तथा विधि अन्तर्निरीक्षण को बताया। उन्होंने संवेदना को अनुभव का प्राथमिक रूप माना। संवेदना तब होती है जब तंत्रिका आवेग मस्तिष्क को पहुँचता है। संवेदनाओं को दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध, स्वाद में बाँटा जा सकता है इनको तीव्रता, अवधि तथा विस्तार के दृष्टिकोण से विभाजित किया जा सकता था। प्रतिमा तथा भावना का विश्लेषण भी किया भावनाएं नियमित क्रम से आते हैं। Wundt के प्रयोगशाला में मनोभौतिकी के क्षेत्र में भी काम किया। इन्होंने Space perception पर भी महत्वपूर्ण कार्य किया। Wundt का

Scanned with CamScan

प्रतिक्रिया काल प्रयोग काफी प्रसिद्ध हुआ। जब प्रयोज्य को उद्दीपन दिया जाता है तो सबसे पहले उसका प्रत्यक्षीकरण होता है फिर वह उसका समाकल्पन करता और अन्त में वह प्रतिक्रिया करने का संकल्प करता है फलस्वरूप पेशीय उत्तेजना उत्पन्न हो जाती है इन पेशीय उत्तेजना का मापन हो सकता है। इसके अतिरिक्त उद्दीपन की तीव्रता का भी मापन हो सकता है Wundt ने Galton के साहचर्य नियम को आगे बढ़ाया इन्होंने साहचर्य को दो भागों में बाँटा अर्थात् आन्तरिक और बाह्य। ~~आन्तरिक~~ आन्तरिक साहचर्य वह होता है जिसमें शब्दों के अर्थों में आन्तरिक सम्बन्ध होता है। Wundt के प्रिय शिष्य Kraeplein थे जिन्होंने मनोविकृति विज्ञान को आगे बढ़ाया। इन्होंने साहचर्य विधि का प्रयोग प्रयोज्यों पर किया और मानव विकृति का अध्ययन किया Wundt ने यह भी कहा कि मन को तत्वों में विभक्त किया जा सकता है

इस प्रकार Wundt का उपयुक्त क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसके कारण इन्हें मनोविज्ञान का पिता माना जाता है।

—×—

Scanned with CamScan